The Research Dialogue
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com

चन्दौसी शहर में अध्ययनरत् माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

कु0 सविता रानी
शोध छात्रा, एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0 कालेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

प्रो0 अर्चना कुमारी
डीन, शिक्षा संकाय,
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, एन0के0बी0एम0जी0 पी0जी0 कालेज, चन्दौसी (सम्भल) उ0प्र0

सारांश–

सह पाठ्यचर्या गतिविधियाँ, पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा है जो छात्र एवं छात्राओं को उनके छिपे हुए कौशल उजागर करने तथा विकसित करने में सहायता प्रदान करती है। इस अध्ययन का उद्देश्य चन्दौसी शहर के माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना था। इस अध्ययन में चन्दौसी शहर के दो माध्यमिक स्तर के 50 छात्र तथा 50 छात्राओं का यादृच्छिक विधि से चयन किया है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए शोधार्थी ने डा0 पूर्वी जैन और श्रीमती नीलम दीक्षित द्वारा निर्मित पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति की मापनी का प्रयोग किया गया है। टी–टेस्ट का उपयोग करके आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के परिणामों से पता चला कि पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति में माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तावना–

''सह पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ उत्साह, जीवन शक्ति, सकारात्मक सोच और टीम भावना को बढ़ावा देती है जो बदले में व्यक्तित्व विकास में योगदान करती है, सह–पाठ्यचर्या सम्बन्धी गतिविधियाँ मन और व्यक्तित्व के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि बौद्धिक विकास, भावनात्मक विकास, सामाजिक विकास, नैतिक विकास और सौन्दर्य विकास की सुविधा प्रदान करती है।''

माध्यमिक शिक्षा आयोग–''यह केवल औपचारिक शिक्षा का स्थान नहीं है, जिसका मुख्य सरोकार ज्ञान की एक निश्चित निर्धारित मात्रा संचार करना है बल्कि एक जीवित और जैविक समुदाय मुख्य रूप से विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने में रूचि रखता है, जिसे हम कला कहते है।''

समस्या कथन–

''चन्दौसी शहर में अध्ययनरत् माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।''

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व–

पाठ्य सहगामी क्रियायें ज्ञान प्रतिस्पर्धा भावना, मूल्य, अभिविन्यास, नेतृत्व टीमवर्ग और जीवन के विभिन्न अन्य पहलुओं के लिए विश्लेषणात्मक जोर को बेहतर बनाने के लिए, अकादमिक वर्ष मे एक अच्छी तरह से योजनाबद्ध पाठ्य अध्ययन की आवश्यकता है। सहगामी गतिविधियाँ कैलेंडर के अनुसार–माध्यमिक स्तर के विद्यालय में क्विज, सस्वर पाठन, भाषण, बहस, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। सह पाठ्यक्रम गतिविधियां माध्यमिक स्तर पर प्रतियोगिताओं के माध्यम से अक्सर आयोजित की जाती है। जिससे छात्रों को योग्यता एवं आत्म विश्वास प्राप्त हो सके। इसके अलावा विद्यालय में इको, साहित्य, विज्ञान, गणित, सांस्कृतिक कला, संगीत पाठक, स्वास्थ्य व कल्याण और हिन्दी क्लब जैसे विभिन्न क्लब भी अपने विशेष क्षेत्रों में छात्र एवं छात्राओं को समृद्ध करने के लिए कई आयोजन करते हैं इसके अलावा एक छत के नीचे नवोदय परिवार राष्ट्रीय एकीकरण नीति को बढ़ावा देता है क्षेत्रीय और धार्मिक त्यौहारों के अनोखे सिद्धान्त और एकता की भावना के लिए मनाते है। छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाता है। छात्र एवं छात्राओं ध्यान, संचार कौशल, एकता, नेतृत्व कौशल एवं रचनात्मक कौशल को बढ़ाने के लिए अध्ययन महत्वपूर्ण होता है।

अध्ययन सम्बन्धी पाठ्य सहगामी क्रियाओं पर बहुत शोध हुए है। अपितु इस अध्ययन के परिणाम बहुत अलग आये है। इसके परिवर्तित रूप को जानने के लिए शोध करने की आवश्यकता है। अतः इसी कारण में इस शोध को करना चाह रही हूँ।

जिसके द्वारा में इसके परिणाम को जान सकूँ तथा इसके सुधार हेतु मैं अपने सुझाव दे सकूँ।

अध्ययन का उद्देश्य–

1. चन्दौसी शहर में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के छात्रों की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
2. चन्दौसी शहर में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर की छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
3. चन्दौसी शहर में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पना–

1. माध्यमिक स्तर के छात्रों में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का सामान्य स्तर है।
2. माध्यमिक स्तर की छात्राओं पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का सामान्य स्तर है।
3. माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन का परिसीमांकन–

1. यह लघु शोध चन्दौसी शहर से संबंधित है।
2. इस लघु शोध में चन्दौसी शहर के दो विद्यालयों को चुना गया है।
3. इस लघु शोध में चन्दौसी शहर के माध्यमिक विद्यालयों के प्रतिदर्श के रूप में विद्यार्थियों की संख्या मात्रा 100 है।

4. इस लघु शोध में चन्दौसी शहर में माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियायें अभिवृत्ति तक ही सीमित है।

अध्ययन की विधि–

प्रस्तुत लघु शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की जनंसख्या –

प्रस्तुत लघु शोध कार्य में चन्दौसी शहर के दो माध्यमिक विद्यालयों के सौ छात्र एवं छात्राओं को प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया है। जिसमें 50 छात्र व 50 छात्राएं है।

प्रस्तुत लघु शोध कार्य में न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है।

उपकरण–

प्रस्तुत शोध में कार्य में शोधार्थी ने डॉ0 पूर्वी जैन और श्रीमती नीलम दीक्षित के द्वारा निर्मित पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति की मापनी का प्रयोग किया है। यह स्केल माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं से सम्बन्धित है इसमें कुल 25 प्रश्न हैं।

सारणी–1

तीन श्रेणियों में छात्राओं की संख्या का आबंटन

No.	Class Internal	Interpreation	Girls Frequency
1	81-115	Favourable	23
2	41-80	Average	21
3	0-40	Unfavourage	6

उपर्युक्त सारणी–5 से ज्ञात होता है कि कुल चयनित छात्राओं की संख्या 50 है जिसमें से 23 छात्राएं अनुकूलित में 21 छात्राएं औसत स्तर तथा 6 छात्रायें प्रतिकूलित स्तर में आबंटित होती है। इस सारणी से ज्ञात होता है कि किस स्तर पर कितनी छात्राएं आती है।

सारणी–2

तीन श्रेणियों में छात्रों की संख्या का आबंटन

No.	Class Internal	Interpreation	Girls Frequency
1	81-115	Favourable	27
2	41-80	Average	19
3	0-40	Unfavourage	4

उपर्युक्त सारणी में ज्ञात होता है कि कुल चयनित छात्रों की संख्या 50 है जिनमें से 27 छात्र अनुकूलित स्तर में, 19 छात्र औसत स्तर तथा 4 छात्र प्रतिकूलित स्तर में आंबंटित हुए है। इस सारणी से ज्ञात होता है कि किस स्तर पर कितने छात्र आते है।

सारणी–3

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मूल्य

प्रतिदर्श	पदों का योग	पदों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	अन्तर (मध्यमान)	σD	टी मूल्य	निष्कर्ष
छात्राएं	3507	50	70.14	19.49				टी 0.01 = 2.63
छात्र	4000	50	80	17.76	9.86	3.72	2.65	टी 0.05 = 1.98 अस्वीकृत

उपरोक्त सारणी 7 में स्पष्ट है कि गणना द्वारा प्राप्त टी मान 2.65 है जोकि सारणी में दिए गए 0.05 एवं 0.01 स्तर के टी मान 1.984 से एवं 2.626 से अधिक है। दोनों समूहों का मध्यमान क्रमशः 70.14 एवं 80 है। मानक विचलन 19.49 और 17.76 है अतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इस प्रकार हम कह सकते है कि जो

अन्तर है वह दिखाई देता है लेकिन वास्तव में वह अन्तर है नहीं। अतः हम कह सकते है कि छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति में समानता है।

निष्कर्ष–

अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन के फलस्वरूप पाया गया कि सार्थकता ज्ञात करने पर छात्र एवं छात्राओं के पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः कहा जा सकता है कि छात्र एवं छात्राओं में पाठ्स सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति समान है।

सुझाव–

1. प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत चन्दौसी शहर के माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी गतिविधियों के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है यह अध्ययन शहरों में भी किया जा सकता है।
2. एक शहर से दूसरे शहर के माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
3. शहरी व ग्रामीण माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जा सकता है।
4. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जा सकता है।
5. यह अध्ययन माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं पर किया गया है, यह उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं में पढ़ने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची–

अख्तर सीमा, (2021) ए स्टडी ऑन एटीट्यूड ऑफ पोस्टग्रेजूएट स्टूडेंट्स टुर्वाड्स को करिकूलर एक्टीविटीज इन बेस्ट बेंगोल, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेन्ड इन साइंटिफिक रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट, 5(2), 607–611

कुमार, एस0के0 (2022) एटीट्यूड टुवाईस को करीकूलर एक्टीविटीज एमांग सेकेण्डी स्कूल स्टूडेंट्स (इलेक्टॅनिक वर्जन) फेकल्टी ऑफ एजूकेशन, 9, 380–383

कोलप्पन, एस (2011) एटीटयूड ऑफ कॉलिज स्टूडेंट टुवार्ड्स को करिकूलर एक्टिीविटीज इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट 1(2), 10–18

कुमार, एस0के0 (2022) एटीटयूड टुवर्ड्स को करिकुलर एक्टिविटीज अमंग सेकेड्री स्कूल स्टुडेंन्ट्स इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ टेंड इन साइंटिफिक रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट 5(2) 380–383

बैग कांकना; प्रशांत ज्ञान; एस0के0 शाह आलम; अन्य, (2021) द स्टीटयूड ऑफ युनिवर्सिटी स्टुडेंट्स टुवार्ड्स को करिकुलर एक्टीविटीज; ए कम्पेरिटीव स्टडी, इण्टरनेशनल जर्नल एडवांस रिसर्च, आइडियाज एण्ड इनोवेशन्स इन टेक्नोलॉजी 7(1) 223–226

- https://www.researchgate.net/publication/315999019_effect_of_co-curricular_activities_on_academic_achievement_of_students
- mpboardonline.com
- https://www.grin.com/document/520242
- https://www.researchgate.net/publication/337936733_the_impact_of_co_curricular_activities

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed /Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2,Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2023/34
Impact Factor (IIJIF-1.561)
https://doi-ds.org/doilink/01.2023-11922556

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

कु0 सविता रानी एवं प्रो0 अर्चना कुमारी

for publication of research paper title

चन्दौसी शहर में अध्ययनरत् माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-02, Month July, Year-2023.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY